दैनिक

फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल

वर्ष : ०९ | अंक:५० | मुंबई, शुक्रवार २७ जून २०२५ | RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 | पृष्ठ-४ | मूल्य २/रू.

400 करोड़ की हेराफेरी... कोर्ट ने दिए एफआईआर दर्ज करने के आदेश

मुंबई : बोरीवली मजिस्ट्रेट कोर्ट ने कुरार गांव पुलिस स्टेशन को रियल एस्टेट कंपनी जेएलएस रियल्टी के पूर्व निदेशक रजत झुनझुनवाला और चंद्रेयी झुनझुनवाला समेत

अन्य कई लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। इन सभी पर प्रोजेक्ट फंड में गड़बड़ी और हेराफेरी का आरोप है। हालांकि कोर्ट का यह आदेश इसी महीने की शुरुआत में दिया गया, मगर पुलिस ने अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की है। यह आदेश जेएलएस रियल्टी के मौजूदा डायरेक्टर प्रशांत ढोंगडी की ओर से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 175(3) के तहत दायर याचिका पर आया है. प्रशांत ढोंगडी ने आरोप लगाया है कि कंपनी के पूर्व निदेशकों ने प्रोजेक्ट के लिए मिले करोड़ों रुपये गलत तरीके से डायवर्ट कर दिए. जेएलएस रियल्टी एक रियल एस्टेट कंपनी है, जिसके पास शंकरवाड़ी, जोगेश्वरी (पूर्व) की एक संपत्ति का अधिकार था. इस प्रोजेक्ट को एसआरए से मंजूरी मिली थी और अप्रैल 2017 में कंपनी ने इस प्रोजेक्ट का पूरा डेवलपमेंट राइट स्पेंटा सनसिटी को सौंप दिया. स्पेंटा ने इस प्रोजेक्ट में 400 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया था. लेकिन शिकायत के अनुसार इस रकम का इस्तेमाल प्रोजेक्ट डेवलपमेंट में करने की बजाय, पूर्व निदेशकों ने पैसे को शेल कंपनियों, अपने परिवारजनों और करीबी लोगों के खातों में भेज दिया. हेराफेरी का पता चलने पर रजत झुनझुनवाला को बोर्ड से हटा दिया गया और एक आंतरिक जांच शुरू हुई.

डोंबिवली इलाके में 6 साल के बच्चे पर आवारा कुत्तों का हमला... CCTV में कैद हुई घटना

डोंबिवली : महाराष्ट्र के डोंबिवली इलाके में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है. मंगलवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे मोठागांव इलाके में एक 6 साल का बच्चा खेलने के लिए अपने घर के बाहर निकला. जैसे ही वह सड़क के किनारे खुली जगह पर पहुंचा, वहां पहले से

मौजूद पांच आवारा कुत्तों में से एक ने उस पर हमला कर दिया. कुत्ते ने सबसे पहले बच्चे के पैर को काटना शुरू किया. बच्चा डर के मारे जमीन पर गिर गया. इसके बाद चार और कुत्ते दौड़ते हुए आए और उन्होंने भी बच्चे पर हमला कर दिया. कुत्तों ने उसके हाथ और पैर को जगह-जगह से काटा. एक कुत्ते ने बच्चे की पतलून मुंह में दबाकर उसे घसीटा. बच्चा लगातार मदद के लिए चिल्लाता रहा. उसी समय वहां से एक राहगीर गुजरा जिसने पूरी घटना देखी. वह तुरंत दौड़कर आया और कुत्तों को भगाने के लिए पत्थर फेंके. किसी तरह वह बच्चे को कुत्तों के चंगुल से बचा पाया. तब तक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो चुका था और खड़ा भी नहीं हो पा रहा था. यह पूरी घटना पास में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई. स्थानीय निवासियों ने बताया कि इस इलाके में आवारा कुत्तों की संख्या तेजी से बढ़ रही है लेकिन मनपा का स्वास्थ्य विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर रहा. नागरिकों ने मांग की है कि जल्द से जल्द इन कुत्तों पर नियंत्रण किया जाए ताकि बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा बनी रहे.

कमीशन के गड्ढों में धँसती मुंबई, शंघाई बनना अब सपना ही रहेगा

बी.एम.सी अब -ब्रेकफास्ट, लंच कमिशन की संस्था बन गयी है!

■ सईद शेख

मुंबई । मुंबई, जिसे कभी भारत का सबसे प्रगतिशील और व्यवस्थित महानगर माना जाता था, अब धीरे-धीरे एक 'कमीशन नगरी' में तब्दील हो चुकी है। शहर के हर कोने में पसरी बदहाली और व्यवस्था की दरकती तस्वीरें यह बताने के लिए काफी हैं कि अब इस शहर का सपना, योजनाओं से नहीं बल्कि सौदों से संचालित होता है। सड़कें उखड़ी हुई हैं, ट्रैफिक जाम अब रोज़मर्रा की नियति बन गया है, रिहायशी इलाके कचरे से पटे पड़े हैं और हर सार्वजनिक सेवा ठेकेदारों और अधिकारियों के गठजोड़ की शिकार हो चुकी है। मुंबई को शंघाई बनाने का सपना कभी महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख ने देखा था। लेकिन आज के हालात देखकर साफ है कि उस सपने को गड्ढों, दरारों और अफसरशाही की मिलीभगत ने निगल लिया है। समृद्धि महामार्ग जैसी बहुप्रचारित परियोजना पर दरारें पड़ चुकी हैं, जबकि अन्य सड़कों का हाल ऐसा है कि उन पर वाहन चलाना जोखिम से कम नहीं। नगरसेवकों के वार्डों में बुनियादी कामों के नाम पर करोड़ों के बजट पास होते हैं, लेकिन ज़मीन पर न तो गुणवत्तापूर्ण काम होता है, न ही दीर्घकालिक समाधान दिखाई देता है। इस स्थिति के पीछे जो सच्चाई सामने आ रही है वह और भी चौंकाने वाली है। सूत्रों का दावा है कि शहर के हर ठेके, निर्माण और सेवा कार्य में पहले 'कमीशन' की गणना होती है, फिर कार्ययोजना बनती है। ठेकेदार की जेब से मंत्री, विधायक, नगरसेवक और बीएमसी अधिकारी–सभी अपना हिस्सा पहले सुनिश्चित करते हैं। इसके बाद जो बजट बचता है, उसी में गड्ढों से लेकर गलियों तक काम निपटाया जाता है। यही कारण है कि हर साल वही सड़कें फिर से बनाई जाती हैं, हर बरसात के बाद वही गड्ढे दोबारा उभरते हैं और हर बजट सत्र के बाद शहर को फिर 'नई शुरुआत' का झुनझुना पकड़ा दिया जाता है।

बीएमसी अधिकारियों की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। जिन्हें जवाबदेह होना चाहिए था, उन्हें आज पूरी तरह मुक्त छोड़ दिया गया है। शहर में उन्हें न तो कोई रोकने वाला है, न ही उनके निर्णयों पर कोई पारदर्शिता या निगरानी। कई इलाकों में नागरिकों की शिकायत है कि अधिकारी मौके पर नहीं आते, फ़ोन उठाना तो दूर, काम करने की नीयत तक नहीं रखते। नागरिकों की भाषा में कहें तो, 'बीएमसी अब ब्रेकफास्ट-लंच-कमीशन संस्था बनकर रह गई है।' इसी बीच ट्रैफिक जाम, खराब सड़कें और कचरे के ढेर शहर की पहचान बनते जा रहे हैं। नागरिक ऑफिस पहुँचने से पहले घंटों ट्रैफिक में फँसते हैं। एम्बुलेंस तक जाम में अटक जाती है। स्कूल बसें देर से पहुँचती हैं। वरिष्ठ नागरिक गिरते हैं, बाइक सवार दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं–लेकिन जिनके पास समाधान की ज़िम्मेदारी है, उनके लिए यह सब मुद्दा ही नहीं है। दरअसल, काम के नाम पर शून्य और लाभ के नाम पर शत-प्रतिशत, यही इस सिस्टम का असली चेहरा बन गया है। अगर मंत्री, अधिकारी और जनप्रतिनिधि सिर्फ कमीशन लेना बंद कर दें, तो शायद मुंबई को फिर से वह रफ्तार मिल सके जो कभी इसकी पहचान थी। लेकिन अफ़सोस की बात यह है कि इस शहर को आज कोई शंघाई नहीं बनाना चाहता–सबका लक्ष्य सिर्फ़ 'शेयर' तय करना है। मुंबई के हालात अब आम राजनीतिक चर्चा से आगे निकल चुके हैं। यह अब एक ऐसी त्रासदी बन चुकी है जो करोड़ों नागरिकों की रोज़मर्रा की ज़िंदगी को प्रभावित कर रही है। जब तक इस शहर के गड्ढों से ज़्यादा इसके तंत्र की दरारों पर ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक कोई भी मास्टरप्लान, कोई भी एक्सप्रेसवे और कोई भी सपना इस महानगर को पटरी पर नहीं ला सकेगा।

याद रखना...

फडणवीस की धमकी ने उड़ाई शरद पवार की नींद

मुंबईः नागपुर-गोवा शक्तिपीठ हाईवे महायुति सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। हालांकि, कोल्हापुर, धाराशिव और सोलापुर इलाके के किसानों ने इस हाईवे का तीव्र विरोध किया था। इसके चलते विधानसभा चुनावों की पृष्ठभूमि में इस परियोजना को अस्थायी तौर पर स्थगित कर दिया गया था। लेकिन विधानसभा में बहुमत मिलने के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस हाईवे के कार्य को पुनः गति देते हुए हरी झंडी दिखाई। इसके तहत मंत्रिमंडल बैठक में शक्तिपीठ हाईवे के लिए भूमि अधिग्रहण के दृष्टिगत 20 हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था मंजूर की गई। इस निर्णय के बाद राज्य का राजनीतिक माहौल फिर से गरमाने लगा है, कांग्रेस सहित विपक्षी पार्टियों ने इस परियोजना की कड़ी आलोचना की है। वहीं, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि अगर इस मामले में कोई राजनीति करेगा तो उसे 'याद रखना' होगा।

कोल्हापुर के लोगों से करेंगे बात

इस बयान के बाद राकां के अध्यक्ष शरद पवार ने फडणवीस को करारा जवाब दिया। पवार ने कहा कि शक्तिपीठ हाईवे के मुद्दे को वह समझना चाहते हैं। वे कोल्हापुर के लोगों से बातचीत करेंगे। उसके बाद अगर राज्य सरकार हमें इस विषय में जानकारी देने की तैयारी दिखाएगी तो वह भी समझने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि सीएम फडणवीस की धमकियों की वजह से उनकी नींद उड़ गई है। 'याद रखना' वाले इशारे पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 'अब हम कैसे रहेंगे? इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में इस मुद्दे पर चर्चा तेज हो गई है। मैं कभी भी विरोध के लिए विरोध नहीं करूंगा

'महाराष्ट्र में भाषाई आपातकाल', हिंदी की अनिवार्यता पर उद्धव का तीखा प्रहार

मुंबईः राज्य में नई शिक्षा नीति के तहत त्रिभाषा सूत्र के माध्यम से हिंदी भाषा को अनिवार्य किए जाने के प्रयासों के विरोध में शिवसेना यूबीटी ने आक्रमक भूमिका अपनाई है। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर भाषाई आपातकाल थोपने का आरोप लगाते हुए कहा कि हमारा विरोध हिंदी से नहीं, बल्कि हिंदी थोपने की मानसिकता से हैं। ठाकरे ने कहा कि हमारे देश की रचना भाषाओं के आधार पर हुई है। उद्धव ठाकरे ने कहा जब मैं मुख्यमंत्री था, तब मराठी भाषा को बढ़ावा देने के लिए मैंने कई योजनाएं शुरू की थीं, लेकिन मौजूदा सरकार ने न तो उन योजनाओं को आगे बढ़ाया और न ही कोई नई पहल की। उलटा, मराठी रंगभूमि के लिए प्रस्तावित दालन को रद्द कर उस जमीन को बिल्डरों को सौंप दिया गया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के वक्तव्य पर उद्धव ने पलटवार करते हुए कहा कि इस तरह के दिखावटी संवाद से काम नहीं चलेगा। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह एकाधिकारशाही की ओर बढ़ रही है और अब भाषा के नाम पर सत्ता का दमन किया जा रहा है। उद्धव ने स्पष्ट किया कि सरकार को छोटे बच्चों पर हिंदी थोपने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हिंदी न जानने से किसी का नुकसान नहीं हुआ। यह केवल भाजपा का छिपा हुआ एजेंडा है जो मराठी भाषा और अस्मिता को खत्म करने की दिशा में बढ़ रहा है। उद्धव ने कहा कि जब तक हिंदी की अनिवार्यता का निर्णय वापस नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

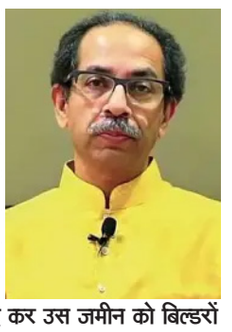

अहमदाबाद-मुंबई हाईवे पर लंबा ट्रैफिक जाम, कही एंबुलेंस फंसी तो कही छात्र

मुंबईः गुरवार दोपहर को अहमदाबाद-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर फाउंटेन होटल के पास लंबा ट्रैफिक जाम लग गया जिससे दैनिक यात्रियों, निवासियों, स्कूली बच्चों और यहां तक कि आपातकालीन सेवाओं को भी बुरी तरह प्रभावित किया। जामबुवा, पोर और बामनगाम पुलों के पास यातायात बाधित होने के कारण स्थिति कई घंटों तक तनावपूर्ण रही। जाम के कारण सभी दिशाओं में वाहनों की भीड़ लग गई, जिससे यात्री और चालक भीषण गर्मी में फंसे रहे।

बताया गया कि एम्बुलेंस भी जाम में फंस गईं, जिससे ऐसी स्थिति में आपातकालीन प्रतिक्रिया को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गईं। स्थानीय यात्रियों के अनुसार, हर साल मानसून के दौरान जाम्बुवा ब्रिज का यहीं हाल होता है। पुल के संकरे हिस्से पर गहरे गड्ढे होने के कारण यातायात का सुचारू रूप से चलना लगभग असंभव हो जाता है।

मानसून में हालत और खराब

एक यात्री ने बताया, 'हर मानसून में हालत और खराब हो जाती है। अस्पताल या जरूरी काम पर जाने वाले लोग घंटों यहां फंसे रहते हैं।' अहमदाबाद से सूरत जाने वाले यात्रियों को अपना गुस्सा और बेबसी जाहिर करते देखा गया क्योंकि घंटों तक ट्रैफिक जाम खुलने का नाम नहीं ले रहा था।

जमीनी हालात उम्मीद से भी बदतर

एक यात्री ने इस जाम का वीडियो एक्स पर सांझा किया। जिसमें यातायात बहुत धीमी गति से चल रहा है। कई वाहन चालक, खास तौर पर दोपहिया वाहन चालक, उस जगह को पार करने में संघर्ष कर रहे थे, जिससे जाम और बढ़ गया और दुर्घटना का खतरा बढ़ गया।

एम्बुलेंस में देरी, जन सुरक्षा से समझौता

जानकारी के अनुसार चिंताजनक बात यह है कि कई एम्बुलेंस ट्रैफ़िक में फंसी हुई देखी गईं, जिनमें से कुछ कथित तौर पर एक घंटे से ज़्यादा समय तक फंसी रहीं। स्थानीय लोगों को डर था कि देरी से जान को खत्रा हो सकता है, क्योंकि एम्बुलेंस में बैठे मरीज़ समय पर अस्पताल नहीं पहुँच पाएँगे। कुछ लोगों ने हताश होकर, जाम से बचने के लिए अपने वाहनों को छोटे, जोखिम भरे रास्तों

SHABBIR MEMON (DIRECTOR) 9892488825. TEL: 022 6780894

MEMON REALTORS

Builder & Devloper PVT. LTD.

Shop No. 1 to 5, Bldg,. No . 2 Next Ahuja Bulding R.M. Road, Oshiwara, Jogeshwari(W), Mumbai - 400 102. memonshabbir24@gmail.com

संपादकीय

एम.एस.शेख
संपादक

57 देशों की भारत-विरोधी लामबंदी

57 इस्लामिक देशों के संगठन ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) की हालिया बैठक में भारत के खिलाफ सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव पारित किया गया है। जिसमें भारत की विदेश नीति और ऑपरेशन सिंदूर के निर्णयों को कठघरे में खड़ा किया गया हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर के विदेशी दौरे और विदेश नीति के साथ-साथ, 51 सांसदों का प्रतिनिधिमंडल ऑपरेशन सिंदूर के बाद विभिन्न देशों में गया था। बहुचर्चित ऑपरेशन सिंदूर की साख पर भी ओआईसी के प्रस्ताव से तगडा झटका लगा है। 51 सांसदों को विदेशों में भारत का पक्ष रखने भेजा था। पाकिस्तान के दुष्प्रचार की असलियत बताने और भारत का पक्ष रखकर कूटनीतिक समर्थन जुटाने सरकार ने सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडलों का विभिन्न देशों में भेजा था। इन सारे प्रयासों की हकीकत यह है, जिन देशों में यह डेलिगेशन गये थे, उन्हीं देशों ने भारत के खिलाफ पारित प्रस्ताव पर दस्तखत किए हैं। कुवैत, सऊदी अरब, यूएई, बहरीन, मलेशिया, कतर, इंडोनेशिया, मिस्र, अल्जीरिया, गुयाना और सिएरा लियोन सहित 11 देशों ने भारत का पक्ष नहीं लिया उल्टे विरोध किया है। ओआईसी संगठन ने कश्मीर और सिंधु जल संधि जैसे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने वाले प्रस्ताव पर पाकिस्तान के पक्ष में समर्थन दिया है। जो भारत सरकार की विफल विदेश नीति को दर्शाता है।

यह केवल कूटनीतिक विफलता नहीं, बल्कि भारत के लिये एक शर्मनाक स्थिति है। करोड़ों करदाताओं के टैक्स में जमा सरकारी धन के खर्चे पर सांसदों के प्रतिनिधि मंडलों को विदेशों मे भेजा गया था। जिन देशों में यह प्रतिनिधिमंडल गए थे। वहां पर इसका कोई व्यावहारिक प्रभाव नहीं पड़ा। सरकारी मंच और मीडिया के माध्यम से जनता के बीच जरुर यह भ्रम फैलाया गया। भारत सरकार की यह कोशिशें बड़ी सफल रहीं है। सांसदों के प्रतिनिधि मंडल ने सभी देशों में जाकर भारत का पक्ष अच्छी तरह से रखा है। यह प्रचारित किया गया, सांसदों के प्रतिनिधिमंडल की यात्राओं ने भारत का डंका दुनिया के कई देशों में बजाया है। भारत के सामने पाकिस्तान अलग-थलग पड़ गया है। भारत को हर देश से समर्थन मिला है। ओआईसी के पारित प्रस्तावों ने यह सिद्ध कर दिया है। भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर अकेला पड़ गया है। भारत सरकार की तमाम कोशिशें एवं प्रचार-प्रसार मीडिया तक सीमित हैं। जमीनी स्तर पर उसका प्रभाव देखने को नहीं मिला। प्रधानमंत्री मोदी की 150 विदेश यात्राएँ, जयशंकर की विदेश मंत्री के रूप में सक्रियता भारत की कूटनीति और सांसदों के 'डिप्लोमेसी टूर' मैं जो बताया गया था, ठीक उसके विपरीत वर्तमान स्थिति है। भारत की इस फजीहत का क्या कारण है। वर्तमान स्थिति में देश के नागरिकों के मन में तीव्र जिज्ञासा है, जनता जानना चाहती हैं। क्या विदेश यात्राएँ राष्ट्रीय हित के लिए थीं। क्या इस तरह की विदेश यात्राएं राजनीतिक और व्यक्तिगत फायदे के लिये होती हैं। देश को वर्तमान स्थिति को देखते हुए सरकार की आत्ममंथन करने की आवश्यकता है।

डेमोक्रेटिक मेयर प्राथमिक चुनाव में जीते भारतीय मूल के ममदानी, मशहूर फिल्म निर्देशक के बेटे

भारतीय मूल के जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के मेयर का डेमोक्रेटिक पार्टी का प्राथमिक चुनाव जीत गए हैं। ममदानी के विरोधी और पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो ने हार स्वीकार कर ली है। ममदानी (33 वर्षीय) न्यूयॉर्क स्टेट असेंबली के भी सदस्य हैं। ममदानी को करीब 50 प्रतिशत वोट मिले हैं और कुओमो को करीब 40 प्रतिशत वोटों से ही संतोष करना पड़ा है। कुओमो ने अपनी हार स्वीकार कर ली है। अब नवंबर में होने वाले मुख्य चुनाव में डेमोक्रटिक पार्टी की तरफ से ममदानी मेयर पद के उम्मीदवार होंगे।

पहले मुस्लिम और भारतीय अमेरिकी मेयर होंगे

ममदानी अगर चुने जाते हैं तो वे न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम और भारतीय अमेरिकी मेयर होंगे। एंड्रयू कुओमो के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप हैं, जिनका उन्हें नुकसान उठाना पड़ा। इन्हीं आरोपों के चलते चार साल पहले एंड्रयू कुओमो को गवर्नर पद से इस्तीफा देना पड़ा था। वहीं निवर्तमान मेयर एरिक एडम्स ने प्राइमरी चुनाव बतौर निर्दलीय लड़ा। पहले एरिक एडम्स डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद उन्हें निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरना पड़ा।

मेयर पद की रेस में एंड्रयू कुओमो की दावेदारी मजबूत थी और इसकी वजह उनका अनुभव, जाना-पहचाना नाम, मजबूत राजनीतिक संपर्क और फंड इकट्ठा करने की काबिलियत थी। हालांकि डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रगतिशील नेताओं और समर्थकों ने जोहरान ममदानी पर दांव लगाया। ममदानी ने प्रचार के दौरान शहर में रहने की बढ़ती लागत को मुद्दा बनाया। साथ ही डेमोक्रेटिक पार्टी के दो वरिष्ठ प्रगतिशील नेताओं रिप्रजेंटेटिव एलेक्जेंड्रिया ओसासियो कोर्टेज और सीनेटर बर्नी सेंडर्स का भी समर्थन मिला। अब नवंबर में मुख्य मुकाबला होगा, जिसमें एंड्रयू कुओमो बतौर निर्दलीय उम्मीदवार फिर से चुनाव मैदान में उतर सकते हैं। न्यूयॉर्क को डेमोक्रेटिक पार्टी का गढ़ माना जाता है।

कौन हैं जोहरान ममदानी

जोहरान ममदानी भारत में पैदा हुए यूगांडा के लेखक महमूद ममदानी और भारतीय फिल्म निर्देशक मीरा नायर के बेटे हैं। जोहरान का जन्म यूगांडा की राजधानी कंपाला में हुआ और जब वे सात साल के थे तो उनके माता-पिता उन्हें न्यूयॉर्क ले आए। साल 2018 में ममदानी को अमेरिकी नागरिकता मिली। ममदानी ने इसी साल सीरियाई मूल की महिला से शादी की है। राजनीति में आने से पहले ममदानी ने बतौर काउंसलर काम किया। ममदानी ने चुनाव प्रचार के दौरान वादा किया कि वे शहर के एक प्रतिशत अमीरों पर टैक्स लगाएंगे, जो सालाना 10 लाख डॉलर से ज्यादा कमाते हैं और उस पैसे से मध्यम और निम्न वर्गीय लोगों को सस्ते घर और सस्ता रहन-सहन उपलब्ध कराएंगे। न्यूयॉर्क दुनिया के सबसे महंगे शहरों में शुमार होता है।

एंबुलेंस ने कुत्ते को कुचला, मालिक ने जान से लिया जान का बदला, मरीज की मौत

अकोलाः कभी-कभी एक पल की देरी ज़िंदगी और मौत के बीच की दूरी तय कर देती है। अकोला में हुई एक ऐसी ही दर्दनाक घटना ने इंसानियत को शर्मसार कर दिया। सिर्फ इसलिए कि एक कुत्ता एंबुलेंस से टकराकर मर गया।

गुस्से से आगबबूला एक व्यक्ति ने एंबुलेंस को रास्ते में ही रोक दिया, चालक के साथ मारपीट कीष्ठ और इस बीच एक गंभीर मरीज ने समय पर इलाज न मिलने के कारण दम तोड़ दिया।

देरी और छिन गई एक ज़िंदगी

घटना अकोला शहर के एक व्यस्त इलाके में घटित हुई। एक 45 वर्षीय मरीज, जिसे तत्काल चिकित्सा सहायता की जरूरत थी, को परिजन एंबुलेंस से अस्पताल ले जा रहे थे। रास्ते में अचानक एक कुत्ता सड़क पार करते समय एंबुलेंस की चपेट में आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

चालक को पीटा

यह देखकर पास में मौजूद एक व्यक्ति, जो संभवतः उस कुत्ते का देखभालकर्ता था, बेकाबू हो गया। उसने न केवल एंबुलेंस को जबरन रोका, बल्कि चालक को बाहर खींचकर पीटना शुरू कर दिया। उसने वाहन की चाबी भी छीन ली।

मरीज तड़पता रहाष्ठ मदद की आवाज़ भी दबा दी गई

जब चालक के साथ धक्का-मुक्की हो रही थी, उस समय एंबुलेंस के भीतर मरीज दर्द से कराह रहा था। परिजन गिड़गिड़ाते रहे 'कृपया पहले अस्पताल चलने दीजिए, उसके बाद जो करना है कीजिए।' लेकिन क्रोध में अंधे उस व्यक्ति के लिए उस मासूम की जान कोई मायने नहीं रखती थी। अस्पताल पहुंचने से पहले ही मरीज ने दम तोड़ दिया।

'उसे बचाया जा सकता थाष्ठ बस थोड़ी सी इंसानियत चाहिए थी'

मरीज के बेटे ने कहा 'पिताजी की हालत गंभीर थी, लेकिन हमारे पास उम्मीद थी। हम समय पर अस्पताल पहुंच सकते थे। पर किसी को एक जानवर की मौत का इतना गुस्सा था कि उसने एक इंसान की ज़िंदगी छीन ली।' इस अमानवीय हरकत के बाद अकोला पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश

चालक के खिलाफ आपातकालीन सेवाओं में बाधा, मारपीट, और लापरवाही से हुई मौत जैसे गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश है। सामाजिक संगठनों और डॉक्टरों ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा है कि, 'अगर एंबुलेंस सुरक्षित नहीं है, तो फिर किसी की जान भी सुरक्षित नहीं है।'

जानवर की मौत, इंसान की ज़िंदगी से ज़्यादा अहम

हम सभी को जानवरों के प्रति दया और सहानुभूति होनी चाहिए। लेकिन जब एक गंभीर मरीज जीवन के लिए संघर्ष कर रहा हो, तब हमारी प्राथमिकता इंसान की जान बचाना होनी चाहिए। यह घटना बताती है कि आज हमारा समाज क्रोध में इतना अंधा हो चुका है, कि हम यह भी नहीं सोचते कि हमारी एक ज़िद, किसी का पूरा संसार उजाड़ सकती है। यह घटना सिर्फ एक अपराध नहीं, एक आईना है जो हमें दिखाता है कि संवेदनाएं मरती जा रही हैं।

केमिकल फैक्ट्री में टिन शेड गिरा, महिला श्रमिक की मौत, 7 लोग घायल

यवतमालः महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के झरी तालुका अंतर्गत गणेशपुर गांव में बुधवार देर रात एक दर्दनाक औद्योगिक हादसा हुआ, जिसने मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। तेज बारिश और तूफानी हवाओं के कारण एक केमिकल फैक्ट्री का टिन का शेड अचानक गिर गया, जिसमें काम कर रही 21 वर्षीय महिला मजदूर गंगा सुग्रीवलाल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात अन्य श्रमिक घायल हो गए।

यह हादसा रात करीब 11 बजे हुआ, जब गणेशपुर स्थित 'डीलाईट केमिकल फैक्ट्री' में रात्रिकालीन पाली में मजदूर काम कर रहे थे। अचानक मौसम बिगड़ा, हवा तेज हुई और फिर देखते ही देखते फैक्ट्री का विशाल टिन शेड भरभराकर गिर पड़ा। मलबे के नीचे कई मजदूर दब गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया गया। मृतक महिला मजदूर गंगा सुग्रीवलाल छत्तीसगढ़ के पेरीटोला गांव की रहने वाली थी और कुछ समय से इस फैक्ट्री में काम कर रही थी। हादसे में घायल हुए अन्य श्रमिकों में सचिन दिलीप चांदेकर (कृष्णापुर), पुष्पा उइके, नामदेव उइके, लता तलांडे (सभी रैयेरगांव निवासी), डोमा भरणे (सगनापुर), मीनाबाई आत्राम और निराशा कंवर (दोनों छत्तीसगढ़ निवासी) शामिल हैं। इन सभी को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक चिकित्सा के बाद कुछ को छुट्टी दे दी गई। हादसे के बाद सवाल उठ रहे हैं कि जब मौसम विभाग ने तेज बारिश और हवाओं की चेतावनी पहले ही दी थी, तब भी फैक्ट्री प्रबंधन ने मजदूरों से रात के समय काम क्यों करवाया? क्या शेड की संरचना कमजोर थी? क्या सुरक्षा मानकों का पालन हो रहा था? ये सारे सवाल अब जांच के दायरे में हैं।

घटना की सूचना मिलते ही मुकुटबन पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है और फॉरेंसिक टीम से दुर्घटना के तकनीकी कारणों की जाँच करवाई जा रही है। प्रशासन ने फैक्ट्री की संरचनात्मक मजबूती, लाइसेंस और सुरक्षा मानकों की समीक्षा के आदेश दिए हैं। यह हादसा सिर्फ एक निर्माण की गिरावट नहीं, बल्कि मजदूरों की जिंदगियों से जुड़ा सवाल है। हादसे के बाद मजदूरों और उनके संगठनों में भारी रोष है। पीड़ित परिवारों के लिए उचित मुआवज़े, स्थायी नौकरी और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग ज़ोर पकड़ रही है। गणेशपुर की इस फैक्ट्री में हुआ हादसा एक बार फिर यह बताता है कि जब तक मजदूरों की सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं दी जाएगी,.

श्रुति हासन का एक्स अकाउंट हुआ हैक

अभिनेत्री, म्यूजिशियन और सिंगर श्रुति हासन का एक्स अकाउंट हैक कर लिया गया है। इस बात की जानकारी खुद श्रुति ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए दी, जिसमें उन्होंने फैंस से सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने अपने एक्स पर लिखा, हाय लवलीज, मैं आपको बताना चाहती हूं कि मेरा एक्स अकाउंट हैक हो गया है। उस अकाउंट से होने वाली पोस्ट मेरी नहीं हैं। कृपया जब तक मैं खुद उसे दोबारा नहीं संभाल लेती, तब तक उस पेज से किसी भी तरह का संवाद न करें।

श्रुति हासन का यह बयान ऐसे समय में आया है जब हाल ही में कई सेलिब्रिटी एक्स अकाउंट हैकिंग के शिकार हुए हैं। महज एक हफ्ते पहले ही राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संगीतकार डी. इम्मान ने अपने एक्स अकाउंट के रिकवर होने की सूचना दी थी। उन्होंने बताया था कि उनका अकाउंट 7 मार्च को हैक हो गया था, जिसे काफी प्रयासों के बाद 18 जून को पुनः प्राप्त कर लिया गया। इससे पहले अभिनेत्री और निर्माता खुशबू का एक्स अकाउंट भी हैक हो चुका है, जिसे बाद में रिकवर कर लिया गया था। काम की बात करें तो श्रुति हासन आने वाले दिनों में एक्शन-थ्रिलर फिल्म कुली में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में तेलुगू सुपरस्टार नागार्जुन, कन्नड़ स्टार उपेंद्र, मलयालम अभिनेता सौबिन शाहिर और तमिल के वरिष्ठ कलाकार सत्यराज जैसे कई दिग्गज कलाकार शामिल हैं। यह बहुभाषी फिल्म सन पिक्चर्स के बैनर तले कलानिधि मारन द्वारा प्रोड्यूस की गई है और इसकी रिलीज डेट 14 अगस्त तय की गई है। इसके अलावा श्रुति हासन अब हॉलीवुड में भी कदम रखने जा रही हैं। वह फिल्म द आई में नजर आएंगी, जो एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है। इस फिल्म में उनके साथ मार्क रोवली, लिंडा मार्लो और पेरू कवालियेरी भी प्रमुख भूमिकाओं में होंगे। वहीं, श्रुति की एक और चर्चित फिल्म सालार पार्ट 2: शौर्यांगा पर्वम भी आने वाली है.

बुमराह को लेकर हमारी नीति नहीं बदली : गंभीर

भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लेकर उनकी नीति में कोई बदलाव नहीं आया है और तय कार्यक्रम के अनुसार उन्हें आराम दिया जाएगा। गंभीर ने कहा पहले टेस्ट में टीम की हार को देखते हुए बुमराह को अधिक मैच खेलने को नहीं कहा जाएगा। इस सीरीज से पहले कहा गया था कि वह तीन टेस्ट खेलेंगे और इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। बुमराह ही पहले टेस्ट में पांच विकेट लेकर प्रभावी रहे थे, ऐसे में अटकलें लगायी जा रहीं थीं कि अब उन्हें लगातार खेलने को कहा जा सकता है । गौरतलब है कि बुमराह अपने करियर के दौरान चोटों से जूझते रहे हैं और यही वजह है कि उनका कार्यभार प्रबंधन के तहत टीम प्रबंधन ने उन्हें पांच में से तीन टेस्ट मैचों में खिलाने का फैसला किया था। गंभीर ने कहा कि अब भी ये योजना नहीं बदली है। साथ ही कहा कि हमारे लिए बुमराह का फिट रहना ज्यादा जरुरी है क्योंकि आगे काफी क्रिकेट खेलना है और हम जानते हैं कि वह क्या कर सकते हैं। सीरीज शुरू होने से पहले ही यह तय कर दिया गया था कि वह तीन टेस्ट मैच खेलेंगे और यही होगा। दूसरा टेस्ट मैच बर्मिंघम में दो जुलाई से शुरू होगा लेकिन गंभीर ने कहा कि टीम ने अभी तक यह फैसला नहीं किया है कि पांच मैचों की सीरीज में बुमराह अब किन दो मैचों में खेलेंगे। उन्होंने कहा, 'हमने अभी तय नहीं किया है कि वह कौन से दो अन्य टेस्ट मैच खेलेंगे। उनके बिना भी हमारे पास काफी अच्छे गेंदबाज हैं जिनकी क्षमताओं पर भी हमें भरोसा है।

'दम है तो रोक कर दिखाओ!'

विधायक मेहता की मंत्री सरनाईक को खुली ललकार

मुंबई। मीरा-भायंदर में नाले के प्रवाह को मोड़ने को लेकर शुरू हुआ विवाद अब सीधे राजनीतिक टकराव में बदल गया है। भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक को खुली चुनौती देते हुए आरोप लगाया है कि सरनाईक ने एक निजी प्लॉट को फायदा पहुंचाने के लिए नाले का मार्ग जबरन बदलवाया है। मेहता का कहना है कि यह सिर्फ प्रशासनिक अनियमितता नहीं बल्कि सत्ता के संरक्षण में हो रहा खुला हस्तक्षेप है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि नाले को मोड़ने नहीं दिया जाएगा और अगर दम है तो सरनाईक उन्हें रोक कर दिखाएं। यह बयान सामने आते ही मीरा-भायंदर की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। मेहता ने कहा कि यह सिर्फ एक नाले की दिशा का सवाल नहीं, बल्कि नागरिकों के अधिकार और प्राकृतिक प्रवाह की रक्षा का मामला है। उन्होंने इसे सत्ता की सनक करार देते हुए दावा किया कि यह पूरा प्रकरण एक सोची-समझी रणनीति के तहत किया गया है ताकि मंत्री से जुड़े लोगों को भू-लाभ मिल सके। वहीं, प्रताप सरनाईक गुट ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि नाले के पुनर्निर्धारण का कार्य विकास योजना का हिस्सा है और इसमें कोई भी निजी स्वार्थ नहीं जुड़ा है। लेकिन विपक्ष इस स्पष्टीकरण को सत्ता पक्ष की ढाल मान रहा है। मेहता ने सवाल उठाया कि यदि यह शासकीय योजना का हिस्सा है, तो फिर इसे सार्वजनिक मंच पर स्पष्ट करने से सरकार क्यों बच रही है। स्थानीय प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि नाले जैसी मूलभूत संरचना से छेड़छाड़ पर अब तक निगम की चुप्पी बेहद संदेहास्पद है। इस विवाद के चलते जनता के बीच भी गहमागहमी बढ़ गई है। नाले के आसपास रहने वाले नागरिक जलभराव और संभावित बाढ़ की आशंका से चिंतित हैं। कुछ सामाजिक संगठनों ने इस मुद्दे पर जनआंदोलन छेड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। मेहता का कहना है कि अगर जरूरत पड़ी तो वे खुद जनता के साथ नाले की रक्षा के लिए धरने पर बैठेंगे।

मीरा-भायंदर में नाले के बहाने जो सियासी भूचाल उठा है, वह केवल शहरी नियोजन या विकास का मुद्दा नहीं रहा, अब यह सीधे-सीधे सत्ता की नीयत, प्रशासन की निष्क्रियता और जनता के हक की लड़ाई बन चुका है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस सियासी जंग में किसके साथ खड़ा होता है - जनता के या सत्ता के।

सह्याद्री में सिख समुदाय के लिए कार्यशाला

मुंबईः सह्याद्री गेस्ट हाउस में सिख समुदाय के लिए अल्पसंख्यक योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें

अल्पसंख्यक विकास विभाग महाराष्ट्र सरकार , महाराष्ट्र राज्य पंजाबी साहित्य अकादमी, महाराष्ट्र सरकार 11 सदस्यीय सिख समन्वय समिति, शासन के अधिकारी और सदस्य मौजुद थे. अल्पसंख्यक विकास विभाग के सचिव रुचेश जयवंशी, महाराष्ट्र राज्य पंजाबी साहित्य अकादमी के कार्यकारी अध्यक्ष बल मलकीत सिंह , सिख समाज समन्वय समिति महाराष्ट्र राज्य अध्यक्ष जसपाल सिंह सिद्धू , महाराष्ट्र राज्य अल्पसंख्यक आयोग सदस्य चरणदीप सिंह (हैप्पी सिंह) भी मुख्यरूप से उपस्थित थे. साथ ही मुंबई, नवी मुंबई , ठाणे , कल्याण, पुणे, नासिक, नागपुर, औरंगाबाद, नांदेड़ समेत राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों से सिख समुदाय के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे. बल मलकीत सिंह ने बताया कि सिख समुदाय के लोगो को उनके अधिकार के बारे में जागरुक करने के साथ उनका अधिकार मिले उसके लिए हम लगातार प्रयास कर रहें हैं और आगे भी करेंगे. हम उसके लिए जगह-जगह जागरुकता अभियान करेंगे और स्किम का फ़ायदा सीख समुदाय को दिलाएंगे.

डेढ़ हजार की ड्रेस पर 90 हजार की चपत... सीनियर सिटीजन महिला से ठगी !

मुंबईः डेढ़ हजार की ड्रेस ऑनलाइन खरीदना एक सीनियर सिटीजन महिला को महंगा पड़ गया। ड्रेस पसंद नहीं आने पर उसने कंपनी से संपर्क कर ड्रेस वापस करने के लिए गूगल पर सर्च किया, लेकिन वह साइबर ठगों के जाल में फंस गई। पता चला कि उसके साथ

ठगी की गई है और उसके बैंक खाते से 90 हजार रुपये उड़ा लिए गए। शिकायतकर्ता 71 साल की है और बांद्रा में रहती है। उसने एक ऐप ऑनलाइन शॉपिंग के जरिए डेढ़ हजार रुपये की ड्रेस खरीदी। हालांकि, उसे ड्रेस पसंद नहीं आई। इसके लिए उसने 22 जून को गूगल पर कंपनी का कस्टमर केयर नंबर सर्च किया।

उसने उस नंबर पर कॉल किया तो साहिल कुमार नाम के शख्स ने उससे संपर्क किया। शिकायतकर्ता ने कहा कि उसे ड्रेस पसंद नहीं आई और उसने रिफंड के लिए ड्रेस वापस करने को कहा। उसने कहा कि रिफंड के लिए वह उसे दोबारा कॉल करेगा। कुछ समय बाद, शिकायतकर्ता को एक अज्ञात नंबर से अमित मिश्रा नामक व्यक्ति का कॉल आया। उसने शिकायतकर्ता को गूगल पे ऐप खोलने और कुछ जानकारी भरने के लिए कहा। तदनुसार, शिकायतकर्ता ने जानकारी भरी। लेकिन कुछ समय के भीतर, एक संदेश आया कि उसके खाते से 90,000 रुपये की रकम निकाल ली गई है।

शिकायतकर्ता ने यह बात अपनी बेटी को बताई। बेटी ने मोबाइल नंबर पर कॉल करके पूछताछ की। हालांकि, उसके सामने वाले व्यक्ति ने उसे जान से मारने की धमकी दी और मुंबई में जिस बिल्डिंग में वह काम कर रहा था, उसे भी उड़ाने की धमकी दी। शिकायतकर्ता ने इस धोखाधड़ी के मामले में बांद्रा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। बांद्रा पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66 (ए), 66 (डी), 318 (4) के साथ-साथ भारतीय दंड संहिता की धारा 319 (2), 351 (2) के तहत मामला दर्ज किया है।

स्वामी विवेकानंद ग्लोबल एवोर्ड 2025 का जिवनधारा संघ की तरफ़ से शानदार आयोजन किया गया

हर साल की तरह इस साल भी मुंबई अंधेरी वेस्ट में मेयर हॉल में स्वामी विवेकानंद ग्लोबल एवोर्ड 'सिझन 7' क्रिमिनल के संपादक मोहम्मद सईद शैख, जांबाज सिपाही होमगार्ड और सलाम मुंबई पेपर के संपादक सय्यद बाबु शैख, मनोज झा, सुभाष रकटे, प्रभाकर जाधव समेत कई लोग मौजूद रहे।

गोविंद पाण्डेय (भाऊ) ने स्वामी विवेकानंद ग्लोबल एवोर्ड के मौके पर उपस्थित सभी महेमानों के हाथों से जिवनधारा संघ ने पुरे साल में जो जो काम किए थे उसका सोविनियर बुक को लोंन्च किया।

जीवनधारा संघ की तरफ़ से 2025 का जिवनधारा संघ की तरफ़ से शानदार आयोजन किया गया।

आज यह एवोर्ड शो में खास तौर पर महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए नारिशक्त एवोर्ड, सोश्यल वर्कर, पत्रकार, लिडर, बिल्डर, बॉलीवुड कलाकारों को स्वामी विवेकानंद ग्लोबल एवोर्ड 2025 से सम्मान किया गया। अमन दिप वालिया ने मंच से सुत्र संचालन किया। तो फिल्म एक्ट्रेस शिरिन फरहीन ने स्टेज़ पर डांस परफॉर्मेंस का शानदार प्रदर्शन किया। इस एवोर्ड शो में पूरे देश भर से 25 विभूतियों को सम्मानित किया गया।

इस मौके पर अवधेश शुक्ला, आबिदा सय्यद, पालघर की पूर्व मेयर डॉक्टर उजवाला काले, फिल्म एक्ट्रेस स्वीटी छाबड़ा, एक्ट्रेस शिरिन फरहीन, फरज़ाना शैख, श्रद्धा गोरे शिवसेना एकनाथ शिंदे, भारतीय पत्रकार संघ के महाराष्ट्र अध्यक्ष और फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल के संपादक मोहम्मद सईद शैख को स्वामी विवेकानंद ग्लोबल मोमेंटो अवॉर्ड 2025 से पत्रकार शोएब म्यानुंर को भी सम्मानित किया गया।

जीवनधारा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद पाण्डेय (भाऊ) ने आए हुए महेमानों का आभार व्यक्त किया।

इस स्वामी विवेकानंद ग्लोबल अवॉर्ड शो 2025 को सफल बनाने में जीवनधारा संघ के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद पाण्डेय (भाऊ) और उनकी पुरी टीम की महेनत से इस सफल बनाया गया।

वाहन चालकों की लापरवाही जानलेवा... 5 माह में वसई, भाईंदर में हादसों में 73 लोगों की मौत !

वसईः तेज रफ्तार, नशे में वाहन चलाना, वाहन पर नियंत्रण खोना, सड़क पर गड्ढे जैसे विभिन्न कारणों से दुर्घटनाएं सामने आ रही हैं। मीरा भाईंदर और वसई विरार आयुक्तालय क्षेत्र में पांच माह में सड़क हादसों में 73 लोगों की मौत हो चुकी है। खासकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर 31 लोगों की जान जा चुकी है। बढ़ते शहरीकरण के साथ वाहनों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है। इसके कारण वसई विरार और मीरा भाईंदर में राष्ट्रीय राजमार्ग, आंतरिक सड़कें, राज्य मार्ग जैसे विभिन्न स्थानों की सड़कों पर वाहनों की भारी भीड़ देखी जाती है। हालांकि, कुछ चालक लापरवाही से वाहन चलाते हैं, जबकि कुछ तेज रफ्तार के कारण दुर्घटनाएं करने लगे हैं। खासकर मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ने लगी है। ऐसी गंभीर दुर्घटनाओं के कारण कई लोगों की मौत की घटनाएं सामने आ रही हैं। हाल ही में अर्नाला में एसटी द्वारा अबोली रिक्शा को टक्कर मारने से एक महिला यात्री की मौत हो गई। इसके चलते एक बार फिर सड़क सुरक्षा का मुद्दा उठ खड़ा हुआ है। दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या को कम करने के लिए यातायात पुलिस द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई और जागरूकता पैदा करने जैसी विभिन्न गतिविधियां लागू की जा रही हैं। हालांकि, वाहन मालिक उन नियमों की अनदेखी करते हैं, जिसके कारण दुर्घटनाएं सामने आ रही हैं। जनवरी से मई 2025 तक पांच महीने की अवधि में मीरा भयंदर और वसई विरार में 310 दुर्घटनाएं हुई हैं। इनमें से 222 शहर की सड़कों पर, 83 राष्ट्रीय राजमार्गों पर और 5 राज्य की सड़कों पर हुई हैं। इसमें 73 लोगों की मौत हुई है और 208 गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जबकि 63 लोग मामूली रूप से घायल हुए हैं, ऐसा यातायात पुलिस ने बताया है। यातायात पुलिस ने बताया है कि ज्यादातर दुर्घटनाएं दोपहिया वाहन सवारों के साथ हुई हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग मौत का जाल मुंबई अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग मुंबई, ठाणे, पालघर, गुजरात सहित विभिन्न हिस्सों को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण राजमार्ग माना जाता है। हालांकि, इस राजमार्ग पर वाहनों पर नियंत्रण खोना, कुछ क्षेत्रों में लेन काटना, सड़क पार करना, गड्ढों के कारण दुर्घटनाएं, कीचड़, अवैध चौराहे, सड़क के बीच में खड़े वाहनों से टक्कर, अपर्याप्त डिवाइडर, विपरीत दिशा में यात्रा करने वाले भारी वाहन, स्ट्रीट लाइट की कमी जैसे विभिन्न कारणों से दुर्घटनाएं हो रही हैं। नागरिकों ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है कि इन पांच महीनों में राजमार्ग पर 31 लोगों की मौत हो गई है, जिससे यह एक तरह से मौत का जाल बन गया है।

राज्य में यात्री और माल ट्रांसपोर्टर 2 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे

मुन्ना मुजावर

पुणेः राज्य के यात्री एवं माल परिवहन संगठनों ने 2 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है। संबंधित वाहन चालकों पर ई-चालान के माध्यम से जबरन जुर्माना लगाया जा रहा है तथा शहरों में यातायात में प्रवेश प्रतिबंधित करने, शिकायत निवारण प्रक्रिया में देरी, अतिरिक्त कर्मचारियों को जबरन काम पर रखने तथा अन्य मांगों को लेकर आजाद मैदान में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के बावजूद कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है, ऐसा आरोप महाराष्ट्र राज्य वाहन, चालक, मालिक एवं प्रतिनिधि महासंघ ने बुधवार को एक बयान में लगाया।

राज्य में यात्री एवं माल परिवहन से जुड़े विभिन्न संगठनों की हाल ही में एक संयुक्त बैठक हुई। इस अवसर पर परिवहन संगठन महासंघ के अध्यक्ष डॉ. बाबा शिंदे, ट्रांसपोर्टर बचाव कार्य समिति के संयोजक उदय बर्गे, अखिल भारतीय मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के प्रकाश गवली तथा अन्य संगठनों के पदाधिकारी

उपस्थित थे। राज्य सरकार दस दिनों के भीतर निर्णय ले, अन्यथा राज्यव्यापी बंद पर आम सहमति बनी। बयान में कहा गया है कि राज्य के सभी वाहन संगठनों एवं ट्रांसपोर्टरों ने इसका समर्थन किया है।

मुख्य मांगें क्या हैं?

जबरन ई-चालान वसूली तत्काल बंद की जाए।

ई-चालान शिकायतों का समयबद्ध तरीके से समाधान किया जाए। सफाई के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की आवश्यकता समाप्त की जाए।

वाणिज्यिक वाहनों की पार्किंग के लिए (नो एंट्री) खंड में प्रतिबंधों पर पुनर्विचार किया जाए।

राज्य सरकार ने यात्रियों और माल का परिवहन करने वाले वाहनों के चालकों पर दमनकारी शर्तें लगाई हैं। इस संबंध में राज्य सरकार से बार-बार अनुरोध करने के बावजूद कोई समाधान नहीं निकाला जा रहा है और न ही कोई निर्णय लिया जा रहा है। इसलिए, राज्य के सभी परिवहन संगठन 2 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे। - डॉ. बाबा शिंदे, अध्यक्ष, महाराष्ट्र राज्य वाहन, चालक, मालिक और प्रतिनिधि महासंघ।

कुंए के पास दुपट्टा मिलने से हुआ शक; कुआं में छोड़ा 45 फीट का अंडरवॉटर कैमरा तो पैरों तले जमीन खिसक गई

मुन्ना मुजावर

पिंपरी चिंचवडः दिघी में एक कुएं में एक युवती का शव मिला है। कुएं के किनारे मिले कपड़े के आधार पर यह पता चला है कि 18 वर्षीय इस युवती का नाम वैष्णवी इंगवाले है। इस मामले में दिघी पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि वैष्णवी की हत्या की गई है या उसने आत्महत्या की है। मिली जानकारी के अनुसार 18 वर्षीय वैष्णवी इंगवाले अचानक लापता हो गई थी। उसके पिता ने दिघी पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत भी दर्ज कराई थी। हालांकि, जिस जगह से वैष्णवी लापता हुई थी, उसके पास एक कुआं था। और कुएं के किनारे एक रस्सी मिली। पुलिस को शक हुआ। उन्होंने 10 फीट गहरे कुएं में एक अंडरवाटर कैमरा डाला तो सबके पैरों तले जमीन खिसक गई। क्योंकि वैष्णवी का शव कुएं की तलहटी में

था। शव को बाहर निकालने के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। दिघी पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि वैष्णवी की हत्या हुई है या उसने आत्महत्या की है। पिता द्वारा वैष्णवी के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद पुलिस ने तलाश शुरू की। वैष्णवी जिस जगह से लापता हुई थी, उसके पास एक कुएं के किनारे रस्सी मिली। पुलिस को शक हुआ और उसने तुरंत कुएं में अंडरवाटर कैमरा डाला। नीचे की तरफ 45 फीट गहरे कुएं में वैष्णवी इंगवाले का शव मिला। दिघी पुलिस जांच कर रही है कि वैष्णवी की हत्या हुई है या उसने आत्महत्या की है।

आज भगवान जगन्नाथ की 148वीं रथयात्रा के अवसर पर महंत श्री दिलीप दास जी महाराज ने नगरवासियों को आशीर्वाद दिया और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर औडा के पूर्व अध्यक्ष श्री धर्मेंद्रभाई शाह उपस्थित थे। इशबाना ए शेख - राष्ट्रीय अध्यक्ष (50) से अधिक महिला सेवा संघ ट्रस्टड के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे और आशीर्वाद लिया। जय रणछोड़ माखन चोर- महिला सेवा संघ ट्रस्ट अहमदाबाद

पुणे में यातायात को कंट्रोल करने के लिए अमितेश कुमार ने किये 31 तबादले

मुन्ना मुजावर

पुणेः पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने यातायात शाखा में 31 पुलिस निरीक्षकों और सहायक निरीक्षकों के आंतरिक तबादलों का आदेश दिया है। शहर में यातायात की भीड़भाड़ को दूर करने के लिए पुलिस कदम उठा रही है। मानसून के दौरान जलभराव के बाद यातायात बाधित होता है। कटराज, बानेर, गणेशखिंड रोड के साथ-साथ शहर के विभिन्न हिस्सों में यातायात की भीड़भाड़ को देखते हुए पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने यातायात शाखा में 31 पुलिस निरीक्षकों और सहायक निरीक्षकों के आंतरिक तबादलों का आदेश दिया है। यातायात शाखा में पुलिस निरीक्षकों और सहायक निरीक्षकों को उनके निवास वाले क्षेत्रों में स्थानांतरित किया गया है।

आंतरिक तबादले इस विचार के साथ किए गए हैं कि यातायात की भीड़भाड़ और व्यवधान की स्थिति में संबंधित पुलिस निरीक्षक और सहायक निरीक्षक तुरंत वहां पहुंचें। पुलिस आयुक्त द्वारा दिए गए आदेश में कहा गया है कि दुर्घटना की स्थिति में पुलिस निरीक्षक तुरंत मौके पर जाएं।

यातायात पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण है। वाहन चालकों और नागरिकों की असुविधा को कम करने के लिए 31 संभागों से पुलिस निरीक्षकों और सहायक निरीक्षकों को उनके निवास स्थान के निकटतम यातायात विभाग में स्थानांतरित किया गया है।

मानसून के दौरान सतर्क रहने के निर्देश

मानसून के दौरान विभिन्न स्थानों पर पानी जमा हो जाता है और पेड़ों की टहनियाँ गिर जाती हैं। मानसून के दौरान यातायात में व्यवधान बढ़ जाता है। पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने आदेश दिया है कि यातायात पुलिस मानसून के दौरान सतर्क रहकर काम करें और यातायात अधिकारियों, नगर निगम और अन्य एजेंसियों के साथ संपर्क में रहें ताकि जाम की समस्या का समाधान हो सके।

सायबर धोखाधड़ी पर लगाम लगाने के लिए पुणे शहर में खुलेंगे 5 नये सायबर पुलिस स्टेशन

मुन्ना मुजावर

पुणेः शहर में साइबर अपराधों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, पांच और नए साइबर पुलिस स्टेशन बनाने के लिए पुलिस महानिदेशक को प्रस्ताव भेजा गया है। नए साइबर पुलिस स्टेशनों के लिए अतिरिक्त पुलिस कर्मियों के साथ-साथ बुनियादी सुविधाओं की मांग की गई है, यह

जानकारी पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने दी। 'वर्तमान में शिवाजीनगर पुलिस मुख्यालय में एक साइबर पुलिस स्टेशन है। साइबर पुलिस स्टेशन में हर दिन कम से कम 100 से 150 शिकायतें दर्ज की जाती हैं। शहर में बढ़ते साइबर अपराधों और धोखाधड़ी को देखते हुए, शहर में पांच और नए पुलिस स्टेशन बनाने की जरूरत है। इसके लिए अतिरिक्त पुलिस कर्मियों और बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होगी। इस संबंध में पुलिस महानिदेशक कार्यालय को प्रस्ताव भेजा गया है, ऐसा पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने कहा। शहर में सात नए पुलिस स्टेशन बनाए गए हैं। नए पुलिस स्टेशनों का कामकाज शुरू हो गया है। ग्रामीण पुलिस बल के लोणीकांड, लोणी कालभोर पुलिस स्टेशनों को पुणे पुलिस बल में शामिल किया गया है। शहर के बढ़ते विस्तार और नए पुलिस थानों के समावेश को देखते हुए 1,600 अतिरिक्त पुलिस कर्मियों की उपलब्धता का प्रस्ताव रखा गया था। इनमें से 800 पुलिस कर्मियों की उपलब्धता हो चुकी है। पुणे पुलिस बल को एक हजार अतिरिक्त पुलिस कर्मी उपलब्ध कराने का नया प्रस्ताव भेजा गया है। पुणे पुलिस बल में वर्तमान में पांच सर्किल हैं। शहर के विस्तार को देखते हुए एक और सर्किल बनाने का प्रस्ताव भेजा गया है। पुलिस थानों की संरचना को देखते हुए सर्किल छह बनाया जाएगा। इस संबंध में गृह विभाग को प्रस्ताव भेजा गया है, ऐसा पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने बताया।

पुणे में गुलाबी गैंग की महिलाओं ने किया भाजपा विरोध आंदोलन

पदाधिकारी ओंकार कदम और प्रमोद कोंधरे की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जोड़ो मारो विरोध प्रदर्शन किया। यह जोड़ो मारो विरोध प्रदर्शन इन दोनों द्वारा पुणे नगर निगम की एक महिला अधिकारी और पुणे के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के साथ किए गए दुर्व्यवहार और छेड़छाड़ के विरोध में किया गया। भाजपा पदाधिकारी प्रमोद कोंधरे के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज होने के बाद सभी पुणेकर इसका विरोध कर रहे हैं, महिलाओं ने मांग की कि भाजपा और पुलिस प्रमोद कोंधरे के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे और उसे गिरफ्तार करे। इस समय महिलाओं ने प्रमोद कोंधरे और ओंकार कदम के पोस्टर पर जोड़ो मारो विरोध प्रदर्शन किया और अपना विरोध जताया।

भाजपा का दुर्योधन एक बुरा शासन है।

इनपे करो कड़क से कड़क शासन। इस समय संगीता तिवारी, शोभा पणिकर, सोनिया ओवल, सुनीता नेमुर, रजिया बेलारी, पपीता सोनावणे, मनीषा गायकवाड, रेनू भिलारे, कीर्ति ओसवाल, नीता कुलकर्णी सहित गुलाबो गैंग की वरिष्ठ महिलाएं एवं युवतियां एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित

मनपा चुनाव को नजदीक देखकर सक्रिय हुए रामदास आठवले

आरपीआई की शहर कार्यकारिणी घोषित

मुन्ना मुजावर

पुणेः आगामी नगर निगम चुनावों की पृष्ठभूमि में बुधवार को 'रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया' (आठवले) की नगर कार्यकारिणी की घोषणा की गई। संजय सोनवणे को फिर से नगर अध्यक्ष चुना गया है। सोनवणे ने एक संवाददाता सम्मेलन में 46 उपाध्यक्ष, 39 संगठक और 19 सचिवों वाली नगर कार्यकारिणी की घोषणा की। उन्होंने यह भी बताया कि महिपाल वाघमारे और शाम सदाफुले को महासचिव, जबकि वसंत बनसोडे और बसवराज गायकवाड़ को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर पूर्व नगरसेवक हिमाली कांबले, पूर्व अध्यक्ष बालासाहेब जनराव, परशुराम

वाडेकर, असित गंगुर्दे, रोहिदास गायकवाड़, महेंद्र कांबले, अशोक कांबले मौजूद थे। इस बीच संगठन के पुनर्निर्माण के लिए 'आरपीआई' की नगर कार्यकारिणी को भंग कर दिया गया। हालांकि सोनवणे ने बताया कि आगामी नगर निगम चुनावों की पृष्ठभूमि में 'कोर कमेटी' की बैठक में नई कार्यकारिणी का चयन किया गया। केंद्रीय मंत्री और पार्टी अध्यक्ष रामदास आठवले के आदेश पर नई कार्यकारिणी का चयन किया गया है और नगर निगम चुनावों में पार्टी को अधिक सीटें दिलाने सहित संगठन का विस्तार करने के प्रयास किए जाएंगे।' सोनवणे ने यह भी कहा।

पासपोर्ट ऑफिस में सर्वर डाउन! हज़ारों नागरिकों को 5 घंटे तक करना पड़ा इंतज़ार

मुन्ना मुजावर

पुणेः मुंधवा स्थित पासपोर्ट कार्यालय में समय पर नंबर पर पहुंचे नागरिकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा क्योंकि उन्हें न तो नंबर का इंतजार करना पड़ा और न ही प्रक्रिया का। क्योंकि, पूरा सिस्टम ठप्प था... सर्वर डाउन था। नागरिकों ने इस बात पर गुस्सा जताया है कि ये चीजें बार-बार हो रही हैं। गुरुवार (19 तारीख) को सुबह 11 बजे पासपोर्ट बनवाने के लिए अपॉइंटमेंट लेने वाले कई नागरिक समय से पहले ही पहुंच गए। लेकिन, उनका नंबर आने से पहले ही सर्वर डाउन हो गया। धीरे-धीरे भीड़ बढ़ती गई और गेट के बाहर 200-300 नागरिक कतार में खड़े हो गए, जबकि 200 नागरिक गेट के अंदर ही फंसे रहे। उन्हें शाम 4:30 बजे तक लंबी कतार में इंतजार करना पड़ा। कई बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को बेवजह परेशान होना पड़ा। हर 15-20 मिनट में 80 नए आवेदकों का रजिस्ट्रेशन हो रहा था। लेकिन, अधिकारियों की ओर से कोई समन्वय, सूचना या घोषणा नहीं की गई, ऐसा एक नागरिक ने बताया।

पुणे जैसे विकसित शहर में एक ही पासपोर्ट कार्यालय होना चौंकाने वाली बात है। पुणे, पिंपरी-चिंचवड़ और आस-पास के जिलों से नागरिक यहां आते हैं और एक ही कार्यालय पर दबाव रहता है। नतीजतन, अगर कोई तकनीकी समस्या आती है, तो पूरी व्यवस्था ही गड़बड़ा जाती है। नागरिकों की जानकारी पहले से ही संबंधित अधिकारियों के पास मौजूद होती है। ऐसे में अगर ईमेल, एसएमएस या मोबाइल ऐप के जरिए तुरंत संदेश भेजा जाता, तो नागरिकों का समय और परेशानी दोनों बच जाती। 'हाँ,' एक महिला नागरिक ने कहा बिना किसी पूर्व सूचना के हजारों लोगों को गेट के बाहर खड़ा रखना न केवल लापरवाही है बल्कि लोक प्रबंधन की विफलता भी है। इस पूरी गड़बड़ी की जिम्मेदारी कौन लेगा? जिन नागरिकों ने एक दिन बर्बाद किया, पैसा खर्च किया और अपॉइंटमेंट मिस किए, वे अब संबंधित अधिकारियों से जवाब और कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं। इस बीच, जब हमने इस घटना के बारे में जानकारी लेने के लिए पासपोर्ट कार्यालय के अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की, तो हमसे संपर्क नहीं किया गया।

भाजपा की दुविधा को सहयोगी दलों समेत विपक्षी दल भी भुनाने की कोशिश कर रहे हैं

मुन्ना मुजावर

पुणेः भाजपा पदाधिकारी द्वारा महिला पुलिस अधिकारी से छेड़छाड़ की घटना के बाद विपक्ष समेत महागठबंधन में शामिल उसके सहयोगी दल भाजपा को दुविधा में डालने की कोशिश में जुट गए हैं। भाजपा की सहयोगी शिवसेना (शिंदे) और कांग्रेस ने भाजपा पर निशाना साधा है।

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के पुणे दौरे के दौरान भाजपा शहर महासचिव प्रमोद कोंढारे द्वारा ड्यूटी पर तैनात एक वरिष्ठ महिला पुलिस अधिकारी से छेड़छाड़ की बात सामने आई है। इस मामले में कोंढारे के खिलाफ फरासखाना थाने में मामला दर्ज किया गया है और इस घटना ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है, क्योंकि यह घटना कस्बा विधायक हेमंत रासने की मौजूदगी में हुई। इस घटना के बाद महागठबंधन की सहयोगी शिवसेना (शिंदे) के महानगर प्रमुख पूर्व विधायक रवींद्र धांगेकर ने भाजपा की आलोचना की है। 'राज्य में महागठबंधन की सरकार है। उन्हें इसकी जानकारी है। हालांकि, अगर भाजपा का कोई पदाधिकारी महिला अधिकारी से छेड़छाड़ कर रहा है, तो शिवसेना चुप नहीं बैठेगी। कोंढारे ने पहले भी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की एक महिला पदाधिकारी के साथ छेड़छाड़ की थी। उस समय भी उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। इसलिए छेड़छाड़ का मामला दब न जाए, इसका ध्यान रखा जाएगा और इस पर कार्रवाई की जाएगी। चूंकि यह घटना कसाब्या विधायक हेमंत रासने की मौजूदगी में हुई है, इसलिए उन्हें भी इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए,' धांगेकर ने कहा। भाजपा पदाधिकारी द्वारा वरिष्ठ महिला अधिकारी के साथ छेड़छाड़ की घटना निंदनीय है। ओमकार कदम नामक भाजपा पदाधिकारी ने नगर निगम की एक महिला अधिकारी के साथ छेड़छाड़ की और उन्हें धमकाया था। उस समय भी पुलिस प्रशासन ने सीधी कार्रवाई की थी। महिलाओं के साथ अपमानजनक और तिरस्कारपूर्ण व्यवहार करना भारतीय जनता पार्टी की संस्कृति है। इसलिए भाजपा और पुलिस प्रशासन की इस कार्रवाई का विरोध करने के लिए कस्बा गणपति में एक बयान दिया जाएगा, ऐसा कांग्रेस शहर अध्यक्ष अरविंद शिंदे ने कहा।

लोहेगांव में गांजा बेचने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार; 12 किलो गांजा जब्त

मुन्ना मुजावर

पुणेः एयरपोर्ट पुलिस ने लोहेगांव इलाके में गांजा बेचने आए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 3 लाख रुपये कीमत का 12 किलो गांजा जब्त किया गया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान अखिलेश गरीब मंडल (उम्र 34, निवासी लोहेगांव) के रूप में हुई है। इस संबंध में उसके खिलाफ नारकोटिक्स कंट्रोल एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस उपनिरीक्षक नितिन राठौड़ को सूचना मिली कि लोहेगांव के कर्मभूमि नगर इलाके में एक व्यक्ति रह रहा है और उसके पास गांजा है। इसके बाद हॉटलाइन टीम ने जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। उसकी तलाशी ली गई। तभी उसके कपड़े के थैले में करीब 12 किलो गांजा मिला, जब्त गांजे की कीमत 3 लाख रुपये है। मंडल एक निर्माण मजदूर है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि वह गांजा कहां से लाया था। एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गोविंद जाधव के मार्गदर्शन में क्राइम ब्रांच निरीक्षक आशालता खापरे, उपनिरीक्षक नितिन राठौड़, पुलिस कांस्टेबल रूपेश पिसल, शैलेश नाइक, राकेश चांदेकर, अंकुश जोगदंडे, दादासाहेब बर्डे और टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। दो दिन पहले येरवडा इलाके में गांजा बेचने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने शहर में मादक पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं। मादक पदार्थ बिक्री मामले में गिरफ्तार विक्रेताओं से पूछताछ करने और मादक पदार्थ आपूर्तिकर्ताओं का पता लगाने के आदेश दिए गए हैं।

स्वारगेट बस स्टेशन के सामने पुलिस और गांजा तस्करों में फिल्मी स्टाइल भिड़ंत; घटना सीसीटीवी में कैद

मुन्ना मुजावर

पुणे - पुणे पुलिस ने गांजा और अन्य मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है और मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। करीब 16 लाख 45 हजार रुपये का माल जब्त किया गया है। आरोपियों को गिरफ्तार करने का वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने स्वारगेट इलाके में गांजा की तस्करी करने सोलापुर से पुणे आए तीन लोगों का पीछा कर उन्हें गिरफ्तार किया है। पुलिस और तस्कर की रोमांचकारी हरकत को सीसीटीवी ने कैद किया है।

यह दैनिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4- ग्राऊंड फ्लोर, एन के. इंडस्ट्रियल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नीयर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं. 2, गोरेगांव पूर्व, मुंबई 400 063 से छपवाकर, रूम नं. ३६१, जाकिर अली चॉल, स्कॉटर कॉलोनी, जोगेश्वरी (पूर्व),मुंबई ४०० ०६० से प्रकाशित. संपादक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख मो.: ९९३००२६९४२ / ९९३००२६९४३
कार्यकारी संपादक - विक्रम सेन email -fightagainstcriminal2016@gmail.com RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 सभी पद अवैतनिक है, (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा)